सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 439
11/06/2017

हमारी हर प्रकार से कोशिश है कि बिहार का सर्वांगीण विकास हो, न्याय के साथ विकास हो :– मुख्यमंत्री

पटना, 11 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद भवन से आरा–छपरा के बीच गंगा नदी पर नवनिर्मित उच्चस्तरीय एक्स्ट्राडोज्ड पुल वीर कुंवर सिंह सेतु, गंगा नदी पर दीघा–सोनपुर पुल (जे0पी0 सेतु) के पहुँच पथ का रिमोट के माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना एवं अन्य मदों से निर्मित 138 परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित समारोह का द्वीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुये कहा कि आज बिहार राज्य पुल निर्माण निगम का 42वां स्थापना दिवस है। उन्होंने बिहार राज्य पुल निर्माण निगम परिवार को शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि आज श्री लालू प्रसाद यादव जी का जन्मदिन भी है और इस अवसर पर उन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आरा–छपरा वीर कुंवर सिंह सेतु तथा दीघा–सोनपुर जे0पी0 सेतु के पहुँच पथ का लोकार्पण हुआ है। केन्द्र ने पुल का निर्माण कर राज्य सरकार को सौंप दिया। पहुँच पथ का निर्माण राज्य सरकार को करना था। इसमें भूमि अधिग्रहण संबंधित कई मसले थे। इन सभी अड़चनों को दूर करते हुये बहुत ही अल्प समय में इस पहुँच पथ का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया और आज इसका लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि आज 138 अन्य योजनाओं का उद्घाटन भी हुआ है जिसमें अनेक पुल–पुलिया शामिल है। उन्होंने कहा कि अति पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये कर्पुरी छात्रावास के निर्माण का कार्य बिहार राज्य पुल निर्माण निगम को सौंपा गया था। निर्माण के क्रम में योजना की राशि में वृद्धि हो गयी तो उनके द्वारा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम को निर्देश दिया गया कि कॉरपोरेट सोशल एक्टिविटी के अन्तर्गत कर्पुरी छात्रावास निर्माण की योजनाओं को पूरा किया जाय। उन्होंने कहा कि आज खुशी है कि पुल निर्माण निगम ने इस जिम्मेदारी को लिया और एक–एक कर कर्पुरी छात्रावास के निर्माण का कार्य हुआ और आज कई छात्रावासों का भी उद्घाटन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीघा–सोनपुर रेल पुल की लम्बी कहानी है। तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री देवेगौड़ा ने तत्कालीन रेल मंत्री श्री रामबिलास पासवान के समय में इस पुल का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि 1998 में जब वे रेल मंत्री बनें तो उन्होंने सोचा कि शिलान्यास किये गये पुल का निर्माण तेजी से कराया जाना चाहिये। जब मैंने इससे संबंधित परियोजना का अध्ययन करना शुरू किया तो पता चला कि यह योजना तो अभी मंजूर ही नहीं हुआ है। तब मैंने इस ओर ध्यान दिया और इसका डी0पी0आर0. तैयार कराया। डी0पी0आर0 तैयार होने के बाद केन्द्रीय कैबिनेट से इसकी मंजूरी दिलायी। दूसरी बार जब वे रेल मंत्री बने तो तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहार वाजपेयी से इस पुल का कार्यारंभ करवाया। उन्होंने कहा कि 2004 में जब श्री लालू प्रसाद यादव जी रेल मंत्री बने तो यह परियोजना केवल रेल पुल से संबंधित था। इस पर हमलोगों ने चर्चा की और इसका निरीक्षण और अध्ययन कराया गया। पुल के फाउंडेशन का विस्तृत अध्ययन किया गया कि इस स्वीकृत

रेल पुल पर सड़क पुल बनाया जा सकता है अथवा नहीं। तकनीकी नतीजों के आधार पर रेल–सह–सड़क पुल पर काम शुरू हुआ और राज्य सरकार ने सम विकास योजना के अन्तर्गत इसकी मंजूरी प्रदान कर काम शुरू कराया। उन्होंने कहा कि रेल–सह–सड़क पुल के निर्माण में श्री लालू प्रसाद जी का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि आरा–छपरा सेतु निर्माण का 2010 में निर्णय हुआ था। निर्माण के क्रम में कई समस्यायें आयीं। उन्होंने कहा कि वे निरंतर गंगा की अविरलता और गंगा में सिल्ट जमा के संबंध में आवाज बुलंद करते रहे हैं। इस संबंध में दो सम्मेलन भी हुये, प्रधानमंत्री से भी मिले इसके लिये कमिटी भी बनी है। अभी हाल में केन्द्रीय मंत्री भी आयीं थीं। उन्होनें कहा कि निर्माण कार्य के दौरान कई ऐसी परिस्थितियॉ उत्पन्न हुयीं जिसका समाधान निकाला गया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जो बाढ़ आया वह अबतक के फ्लड लेवल से ज्यादा था। उन्होंने कहा कि इस पुल का डी0पी0आर0 2010 के उच्चतम फ्लड लेवल के आधार पर बना था। उन्होंने कहा कि एक विशेषज्ञ कमिटी का गठन किया जा रहा है जो देखेगी कि गंगा नदी के एप्रोच में और क्या मोडिफिकेशन करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संवेदनशील है। हम हर चीज को देखते हैं। उन्होंने कहा कि जब यहॉ एलिवेटेड एप्रोच रोड बन जायेगा तो देश के विकसित शहरों की तरह पटना दिखायी देगा। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू मार्ग जिसे आज भी लोग बेली रोड के नाम से जानते हैं पर लोहिया चक्र पथ बन रहा है। आज जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर फ्लाई ओवर बन जाने से दानापुर जाने में लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो रही है। आवश्यकता के अनुसार जहॉ भी जरूरत है विकास का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज इन पुलों के लोकार्पण से पता नहीं लोगों को क्यों एतराज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी पर और पुल का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि दीदारगंज–बिदुपुर 6लेन पुल बनने जा रहा है। इसके लिये एशियन डेवलपमेंट बैंक से ऋण लिया गया है। उन्होंने कहा कि पी0पी0पी0 मोड में बख्तियारपुर से ताजपुर तक पुल का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले राज्य के सुदूरवर्ती इलाके से राजधानी पटना पहुॅचने का लक्ष्य 6 घंटा था अब उसे बदलकर पॉच घंटा कर दिया गया है। इसके लिये सड़कों का चौड़ीकरण और पुल–पुलियों का निर्माण होगा। लोगों को सहूलियत मिलेगी और व्यापार भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी हर प्रकार से कोशिश है कि बिहार का सर्वागीण विकास हो, न्याय के साथ विकास हो। हर इलाके, हर तबके का विकास हो। उन्होंने कहा कि सात निश्चय के अन्तर्गत हर गॉव, शहर की गलियों का पक्कीकरण, नाली निर्माण, हर घर शौचालय, हर घर नल का जल उपलब्ध कराया जा रहा है। हर घर नल का जल योजना के अन्तर्गत गुणवत्ता प्रभावित इलाकों में विशिष्ट योजनायें बनी है। बाकी जगह विकेन्द्रीकृत तरीके से योजना का सूत्रण किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य का कोई भी गॉव–टोला जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से छूट गया है उसे नेटवर्क में शामिल कर राज्य सरकार अपने संसाधन से सड़क का निर्माण करायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सड़कों एवं पुल–पुलियों के रख–रखाव के लिये नई मेंटेनेंस पॉलिसी बनायी है। ग्रामीण सड़कों का निर्माण भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में जिसके लिये काम हो रहा है उसे काम के बारे में पता है। उनके मन में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं है। कुछ लोगों को तकरार में यकीन है तो वे करते रहें। किन्तु हमलोग डायवर्ट नहीं होंगे। हम बिहार की तरक्की के लिये लगे रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुधार के क्षेत्र में शराबबंदी से नशाबंदी तक का कार्य हुआ है। चार करोड़ लोग मानव श्रृंखला में शामिल हुये। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से होने

वाले पॉच हजार करोड़ के राजस्व की चिंता नहीं की। अब लोगों का दस हजार करोड़ रूपया बच रहा है। शराबबंदी के बाद लोग परिवार की देखभाल में अपनी कमाई को खर्च कर रहे हैं। व्यापार भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि शरबबंदी के बाद अन्दरूनी टैक्स में ज्यादा फर्क नही पड़ा। कंज्यूमर आईटम की खपत बढ़ गयी है। आज समाज में कितनी शांति है, माहौल बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि समाज सुधार के क्षेत्र में अन्य कार्यक्रम बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध बापू के जन्म दिवस दो अक्टूबर से अभियान शुरू होगा। मुख्य सचिव इसका अनुश्रवण कर रहे हैं। चम्पारण सत्याग्रह के 100वें साल के अवसर पर गॉधी जी के विचारों को हर छात्र–छात्राओं के बीच पहुॅचायेंगे। यदि कुल आबादी का कुछ भी प्रतिशत गॉधी जी के विचारों से प्रभावित हो जायेगा तो समाज बदल जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आरा–छपरा पुल का नाम वीर कुंवर सिंह के प्रति अपना आदर और सम्मान प्रकट करने हेतु रखा गया है और दीघा–सोनपुर पुल का नाम जे0पी0 सेतु कार्यारंभ के दिन ही रख दिया गया था। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह के विजयउत्सव का 160वां साल होने वाला है। अगले साल इसे भी हमलोग वीर कुंवर सिंह के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान प्रकट करते हुये अच्छे ढंग से मनायेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को बिहार राज्य पुल निमार्ण निगम के अध्यक्ष श्री विनय कुमार ने पुल निर्माण निगम के लाभांश का एक करोड़ पॉच लाख रूपये का चेक सौंपा एवं मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कॉफी टेबुल बुक का ई0–विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं अभियंताओं को स्मृति चिन्ह् एवं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित भी किया।

समारोह को राजद सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री लालू प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी ने भी संबोधित किया। स्वागत भाषण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष श्री विनय कुमार ने दिया तथा लोकार्पित योजनाओं के संबंध में प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृतलाल मीना ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी, परिवहन मंत्री श्री चन्द्रीका राय, खान एवं भूतत्व मंत्री श्री मुनेश्वर चौधरी, कृषि मंत्री श्री रामविचार राय, श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय प्रकाश, उद्योग मंत्री श्री जय कुमार सिंह, पर्यटन मंत्री श्रीमती अनिता देवी, विधायक श्री श्याम रजक, श्री मुन्द्रीका यादव, श्री शक्ति यादव, विधान पार्षद श्री दिलिप चौधरी सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा तथा पथ निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के वरीय अधिकारी एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

****